बिहार में वनों की कटाई

997. **श्री गया सिंह:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई हुई है और यह अभी भी जारी है; यदि हां, तो क्या इसके लिए कोई वैकल्पिक योजना बनाई गई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि बिहार में लाखों वृक्षों को नष्ट करके वहां पर सरकारी क्षेत्र के उपक्रम स्थापित किये गये हैं, यदि हां, तो इस नुकसान की प्रतिपूर्ति हेतु वहां कितने वृक्ष लगाए गए हैं और इस संबंध में भावी योजनाएं क्या हैं; और

(ग) बिहार में कितनी एकड़ भूमि वनाच्छादित है और वहां पर वन भूमि, बंजर भूमि, खाली भूमि और कृषि योग्य भूमि का पृथक-पृथक ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) कोल्हन आन्दोलन के राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं द्वारा संगठित होकर पेड़ काटने के प्रयास किए गए हैं। स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया है।

(ख) यह सच नहीं है कि बिहार में लाखों वृक्षों को नष्ट करके सरकारी क्षेत्र के उपक्रम स्थापित किए गए हैं। भारत सरकार ने 3221 हे० वन क्षेत्र को वनेतर प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाने संबंधी 37 प्रस्ताव अनुमोदित किए हैं। क्षतिपूरक वनरोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत 60 हेक्टेयर भूमि में वृक्षारोपण किया गया है।

(ग) बिहार में 29,230 वर्ग किलोमीटर अधिसूचित वन क्षेत्र है। भारतीय वन सर्वेक्षण की 1991 की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में वन क्षेत्र 26,238 वर्ग किलोमीटर है। अन्य भूमि उपयोग पैटर्न संलग्न विवरण में दिए गए हैं।

विवरण

बिहार में भूमि उपयोग प्रतिमान

क्र० संख्या	भूमि उपयोग	क्षेत्र (मिलियन हे० में)
1.	बंजर और गैर कृषि भूमि	1.016
2.	गैर कृषि उपयोग में लाई गई भूमि	2.079
3.	खेती-योग्य परती भूमि	0.397
4.	स्थाई चरागाह तथा अन्य चराई भूमि	0.131
5.	विविध फसलें एवं उपवन	0.264
6.	अन्य बंजर भूमियां (2 से 5 वर्ष)	1.089
7.	इस समय बंजर	1.827
8.	कुल बुआई क्षेत्र	7.604
	कुल 1 से 8	14.407
1.	कुल फसली क्षेत्र	10.516
2.	एक वर्ष में एक बार से अधिक बुआई क्षेत्र	2.912

चन्द्रपुर ताप विद्युत केन्द्र से निकलने वाली धूल

998. **श्री गया सिंह:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि चन्द्रपुर ताप विद्युत केन्द्र से लगातार धूल के उड़ने से बोकरो स्टील सिटी की बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए काफी समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं; और

(ख) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है और उसका ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) और (ख) चन्द्रपुर ताप बिजलीघर से होने वाले उत्सर्जन निर्धारित मानकों से अधिक है। इस यूनिट को निदेश दिये गए हैं कि वह अपनी सभी इकाइयों में अधिक क्षमता वाले नये इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर लगाए। 6 इकाइयों में से 2 इकाइयों ने नये इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर लगा लिए हैं, जो सन्तोषजनक ढंग से कार्य कर रहे हैं। अन्य इकाइयों में नये इलैक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर लगाने का कार्य चल रहा है।

Cultivation of Trees by Farmers

999. SHRI RAMJI LAL: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what is the policy of Government to make India a country of trees;

(b) whether any grant/aid is provided

to farmers for cultivation of trees and if so, the details thereof;

(c) whether Government propose to increase this Grant; and

(d) the amount allocated for this purpose during the 8th Five Year Plan and particularly for the State of Haryana?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Chilka Project in Orissa

1000. SHRI. JAGDISH PRASAD MATHUR: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the work on Chilka Project in Orissa has been suspended for want of clearance from the Central Government if so, when the Project is likely to be cleared by Government; and

(b) whether it is a fact that the study made by WAPCO about the Project has been rejected by the Central Government; if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) The State Government of Orissa was advised ' not to undertake construction or other work under the Prawn Culture Project in Chilka lake until an in-depth environmental impact assessment study is carried out through a multi-disciplinary group.

A report on environment impact assessment study of the Prawn Culture Project, prepared by Water and Power Consultancy Services (India) Ltd., has been received from Orissa Government on February 15, 1993. This report is under examination.

हेलिकाप्टर ले जाते हुए ट्रक को जब्त किया जाना

1001. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 25 फरवरी, 1993 को कोटद्वार में कार्बेट पार्क के कर्मचारियों द्वारा एक ट्रक को उस समय जब्त कर लिया गया था जब उसमें चोरी छिपे एक हेलिकाप्टर, एक नाव और अन्य सामान को, जिसका प्रयोग कालाघर बांध में डूबे हुए हेलिकाप्टर को निकालने के लिए किया जाता था, ले जाया जा रहा था;

(ख) क्या उक्त हेलीकाप्टर के संबंध में इंडिया इन्टरनेशनल एअरवेज प्राइवेट लिमिटेड से कोई पूछ-ताछ की गई है; और

(ग) इस घटना के संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) जी, हां।

(ख) दि इंडिया इन्टरनेशनल एअरवेज प्राइवेट लिमिटेड ने दावा किया है कि हेलिकाप्टर उनका था।

(ग) मालिकों ने जब्त की गई चीजों को छुड़ाने के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोटद्वार के न्यायालय में एक मुकदमा दायर किया और न्यायालय ने ये चीजें मालिकों को सौंप देने के आदेश दिये हैं। उद्यान प्राधिकारियों ने पौड़ी के जिला और सेशन जज के न्यायालय में अपील दायर की है, जिन्होंने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर 3 मार्च, 1993 तक रोक लगा दी है।

यमुना नदी में विषाक्त प्रदूषक-तत्व

1002. **श्री शांति त्यागी:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि यमुना नदी में विषाक्त प्रदूषक तत्वों का अध्ययन करने और जैव-प्रबोधन के लिए एक केन्द्रीय योजना तैयार की गई है;

(ख) यदि हां, तो इस योजना की रूप-रेखा क्या है;

(ग) क्या यह योजना सफल रही है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) केन्द्रीय प्रदूषक नियंत्रण बोर्ड द्वारा जल गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए जैव-मानीटरन प्रणाली की एक स्कीम तैयार की गई है।